ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–६३
दिनांक- मंगलवार, २२ अगस्त, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.5 एवं 25.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 90 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 71 प्रतिशत, हवा की औसत गति 2.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 29.6 एवं दोपहर में 36.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 60.0 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(23–27 अगस्त, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 23–27 अगस्त, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में आसमान में मध्यम से घने बादल छाये रह सकते हैं। सक्रिय मानसून के कारण इस अवधि में हल्की–हल्की वर्षा होने की सम्भावना है तथा अनेक स्थानों पर मध्यम वर्षा भी हो सकती है। कुछ स्थानों पर 24–25 अगस्त को भारी वर्षा भी हो सकती हैं।
- अधिकतम तापमान 29 से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 65 से 70 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- अगले एक–दो दिनों तक पछिया हवा उसके बाद पुरवा हवा औसतन 10 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछले एक–दो दिनों में अच्छी वर्षा हुई है तथा पूर्वानुमानित अवधि में भी अच्छी वर्षा की सम्भावना है। अतः किसान भाई को सुझाव दिया जाता है कि जिस खेत में वर्षा का पानी इकठ्ठा हो गया हो उसको निकालने की उचित व्यवस्था करें।
- धान की फसल जो 20–25 दिन की हो गई हो, उसमें प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेशन करें। अगात बोई गई धान की फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें।
- सितम्बर अरहर की बुआई के लिए खेत की तैयारी करे। किसान भाई 26 अगस्त के बाद इसकी बुआई उचाँस जमीन में करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फुर,20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। अरहर की पूसा–9 तथा शरद प्रभेद उत्तर बिहार के लिए अनुसंषित है। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- अगात धान की फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें। इसकी सूंडीयॉ तनो में घुसकर क्षती पहुचाती है। प्रारंभिक अवस्था में पौधें की मध्य कलिका मुरझाकर सुखी हुई नजर आती है। ऐसे पौधो में बालीयॉ सुखी एवं खोखली रह जाती है। इसे अगर पकड़कर खींचा जाए तो वह आसानी से बाहर निकल आती है। इस प्रकार का लक्षण दिखने पर बचाव के लिए फेरोमोन ट्रैप की 12 ट्रैप प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करे। खेतो में 5 प्रतिशत क्षतिग्रस्त पौधें दिखाई देने पर करताप हाईड्रोक्लोराईड दाने–दार दवा का अथवा फिप्रोंनिल 0.3 जी का 10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से व्यवहार करें।
- धान की फसल में खैरा बीमारी दिखाई पड़ने पर खेतों में जिंक सल्फेट 5.0 किलोग्राम तथा 2.5 किलोग्राम बुझा चूना का 500 लीटर पानी में घोल बना कर एक हेक्टेयर में छिड़काव आसमान साफ रहने पर करें। पिछात रोपी गई धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के कार्य को प्राथमिकता दें।
- उरद् की फसल में पीला मोजैक वायरस से ग्रस्त पौधों को उखार कर नष्ट कर दें। बीमार पौधों की पत्तियों पर पीले सुनहरे चकत्ते पायें जाते है एवं बीमारी की उग्र अवस्था में पूरी पत्ती पिली पड़ जाती है। पत्तियॉ आकार में छोटी हो जाती है। पुष्प एवं फलन प्रभावित हो जाती है। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। रोग के विस्तार से बचाव के लिए इमिडाक्लोप्रिड एक मी0ली0 प्रति 3 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- मिर्च की नर्सरी गिराने का कार्य अविलंब संपन्न करें। जिनका पौध तैयार हो वे किसान रोपनी करें। रोपाई पूर्व जीवाणु खाद से विचड़ों का उपचार अवश्य करें।
- टमाटर की नर्सरी उथली क्यारियों में पंक्तियों में गिरावें। इसके लिए काशी विशेष, काशी अमन, स्वर्ण लालिमा, स्वर्ण नवीन, अर्का आभा किस्में अनुशंसित है। बीज दर 200 से 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें।
- फूलगोभी की रोपाई करें। बोरान तथा मॉलिब्डेनम तत्व की कमी वाले खेत में 10–15 किलो ग्राम बोरेक्स तथा 1–2 किलोग्राम अमोनियम मालिब्डेट का व्यवहार खेत की तैयारी के समय करे। फुलगोभी की मध्यकालीन किस्में अगहनी, पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेघना, काशी कुवॉरी एवं अर्ली स्नोबॉल किस्मों की बुआई नर्सरी मे उथली क्यारियों मे गिराये।
- गायों को लम्पी स्किन रोग से बचाव के लिए गोट पॉक्स वैक्सीन से टीकाकरण करावे। रोग से प्रभावित पशुओं को आइवरमेक्टिन (3.15%) सुई चमड़े में एक बार, स्ट्रेप्टो–पेनिसिलिन 2.5 ग्राम/5.0 ग्राम दवा 3 दिन, लिवोटास/मेवोलिव/बुटोन दवा 50 मि०ली० प्रतिदिन, विटामिन ADE का सिरप 20 मि०ली० प्रतिदिन एवं मिनरल मिश्रण 50 ग्राम प्रतिदिन दें। रोग प्रभावित पशुओं को स्वस्थ पशुओं से बिल्कुल अलग रखें।
- पशुओं को वर्षा के पानी से एवं जलजमाव के पानी से बचायें। पशुओं के गोबर, पेशाब एवं अन्य कचरे को उचित स्थान पर रखें। ऐसा न करने से पशु गृह में मक्खी, परजीवी किलनी एवं रोगवाहक कीड़े मकोड़े पनपते है एवं संक्रमन फैलाते हैं। इस मौसम मे पशु गृह को हवादार रखें एवं नियमित रूप से साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें।

आज का अधिकतम तापमानः 28.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 23.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.9 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)